महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश –२७३१६५

Mahayogi Gorakhnath Krishi Vigyan Kendra

Chaukmafi, Peppeganj, Gorakhpur, U.P-273165

Website: http://www.mgkvk.in Email: gorakhpurkvk2@gmail.com

डॉ विवेक प्रताप सिंह

विशेषज्ञ पशुपालन

ब्लोट (पेट फुलना/अफरा)

- ब्लोट अपच का ही एक प्रकार है, जिसमे रूमेन में गैस का संचय हो जाता है।
- जब पशु हरे नरम घास को चारे के रूम में खता है, विशेष रूप में गिले चारे को, तब ब्लोट होने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ पौधे जैसे वलोवर, लुसर्न और अल्फा–अल्फा (रिजका) इत्यादि ब्लोट होने के लिए खतरनाक है लेकिन तेज बृद्धि वाले पौधे भी इसके करक है।
- अवांछनीय पदार्थ की वजह से (आहारनली में रूकावट) ब्लोट हो सकता है जिससे गैस का उत्सर्जन नहीं होगा और रूमेन में गैस भर जायेगा।
- वासी तथा बचे हुए खाने को खिलने से भी ब्लोट हो सकता है।

अफरा (ब्लोट) के लक्षण

- बायीं कोख फूल जाती है।
- पशु अपने पेट पर लात मरता है या फिर पिछले दोनों पैरों को फैलाकर खड़ा होता है।
- साँस लेने में कठिनाई होती है।
- प्रचंड रूप में आने पर दम घुटने की वजह से पशु की मृत्यु हो जाती है।

ब्लोट से पीडित पशु

रोकथाम और उपचार

- सुबह के समय पशु को गिले चारागाह में न जाने दें।
- चारागाह में पशु को भेजने से पहले कुछ सुखा व हरा चारा खिलाना चाहिए।
- घातक होने पर बायीं कोख में तेज धार वाले चाकू से छिद्र कर दें, जिससे कि गैस निकल जाए, ये जल्दी करना जरुरी है, संकोच करने पर पशु मर भी सकता है।

वयस्क पशुओ के लिए घरेलु उपचार

- **300–500** मि.ली. दिन में एक बार **2** से **3** दिन तक नारियल/वनस्पति/मूंगफली का तेल पिलाएं

  या

- उपर्युक्त उपाय के साथ **30–40** मि. ली. तारपीन का तेल पिलाएं।

  या

- आधे लीटर पानी में एक चम्मच डिटर्जेंट पाउडर घोलकर पिलाएं।

  या

- मध्यम ब्लोट के लिए **4–6** केले के पत्ते खिलाये।

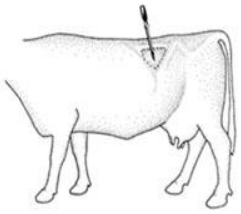

बायीं कोख में छिद्र करने का स्थान